### ख्या खारेते चॅन् सेते सून प्रतायान ने २०१८ चॅन प्रेम हैं में ज्या

## Tibetan Scholarship Program Tibetan Language Paper 2014

(Conducted by the Dept. of Education, CTA, Dharamsala)

तृषासुन् सः सिन् व Time: 3 hours জন শ্ৰ্বা ৭০ Max. Marks. 50

Note: You can answer either in Tibetan or in English except Tibetan Grammar and translation parts.

Tibetan Grammar and Translation parts must be written in Tibetan only.

র্ম্ স্মৃত্র ক্র্রান্ত্র জেল ও রেবর স্থার্ম্ব্র (Answer written in Tibetan Language shall be given 4 marks as **BONUS**)

# ब्रे.क्थ.र्टर.त्री च्र्रे.क्य.र्ट्यं क्रिय

정도·철지 14

শ্ বাপ্ৰথাবাৰ্থণেট্ৰ নাৰ্থানাৰ দ্বীৰা Answer any two of the following questions. (Each carries 5 marks)

- গুল স্বৰ্ধ শ্বৰ্ধ ইনি অৰ্থ ইনি কৰি বিশ্ব বিশ্বৰ বি
- రే జాలు ప్రామాన్లు ప్రామాన్లు ప్రామాన్లు ప్రామాన్లు కూడా కొండి ప్రామాన్లు మండి మాట్లు కూడా కొండి ప్రామాన్లు ప

# प्रमुखा प्राप्त स्था हिंदि स्था स्था हिंदि हिंदि स्था स्था हिंदि हिंदि स्था स्था हिंदि हिंदि स्था स्था हिंदि स्था स्था हिंदि हिंदि

- ५ प्र. थ. थर. है. प्रध्या सेवया सेवया स्टार् है. प्राप्ता है. प्राप्ता है. प्राप्ता है. प्राप्ता है. प्राप्ता
- १० ट.ज्.स्ट मिन.ज्.

## র্বন্'ग্রী'ক্রব'শ্বীন্

ष्पटार्चेच। १५

শ্ৰ ব্যব্ধ ব্যব্ধ হ'হ'ব'ৰা ব্ৰথ বেষ ইবা Answer any two of the following questions (Each carries 5 marks)

- 7 স্ত্ৰাজনি এঅ'শ্ৰী'শ্ৰু'বঁদ্'শানীম'শাস'দ্বী'শ্ৰব্'শাম্জন'ম'শ্ৰীমা Write three gains that China and Tibet enjoyed because of Middle Way Policy.
- र् र्न्निव अनुवा त्र्रेय कुय र्क्ष्या व प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प
- বৃ অর্ভর্ র্ট্রন্ র্রি অন্ গ্রন্থি শ্বান্ধ্র গ্রান্ধ্র গ্রান্ধ্র গ্রান্ধ্র গ্রান্ধ্র প্রান্ধ্র প্রান্ধ প্রান্ধ

1	বাধ্য.	বামনান্ত্ৰ বেশ্ৰীবা যাবেদ্বামান্ত্ৰ (Each carries 0.5 marks)						
	1	चर्चत् चुँत्य-चॅन्-ब्रेति-चरुत-ब्रिक्षण-गृह्व-तचेचण-गृब्द-र्त्या						
		मी क्षेत्रं १८८५ वि वि क्षेत्रं १८७० वि वि क्षेत्रं १८९७ वि वि क्षेत्रं १८९७ वि						
	3	"व्यूट्यं अक्कृती ता बूर्य स्त्रित , स्त						
		मी है.स. १८९४ वि है.स. १८५८ वि मेरे है.स. १८५७ वि है.स. २००१						
	4	"मूट्या अक्ट्रवी जा.क. द्र. वीक्ष्य. वी. स्वीका का विका विका वीक्ष. वीक्ष. विका विका विका विका विका विका विका विका						
		मी ब्रे.स. १८९४ 🔲 प्रे ब्रे.स. १८५२ 🔲 पर्रे ब्रे.स. ५००० 🔲						
	•	र्वेवाया-प्रथमः क्रवाया क्रवे होत्या है। स्व्या क्रवाया पर रेत्।						
		मीर ब्रेट्य.वाहेबा विर ब्रेट्य.वाहोबा विर ब्रेट्य.वाहोबा विर ब्रेट्य.वाहोबा विर ब्रेट्य.वाहोबा						
	ч	बे प्रते द्व र्ष क देर खे ले प्वार व द्व प्वार व द्व प्वार व व द्व प्वार व देव प्वार व देव प्वार व देव प्वार व						
		में हैं सं १८८५ वि वि हैं सं १८५० वि वि हैं सं १८५० वि हैं सं १८५० वि						
	८ श्रेन् श्रूनः श्रूनः तज्ञनः यो व्यक्ता वयाक्यः श्रीन् । सुम्यायम् । सुः सः मानः सः प्रवेषः पः सेन्।							
		म्रिडि:स्. ४०११ 🔲 वर्ष ही:स्. ४०१० 🔲 वर्ष ही:स्. ४०१४ 🔲						
	2	र्चिन् से सन् ह्ये त्रमुक्ष स्वाक वार्स सु धिव वया						
		गोर् होंब दाक्र देन विर्यादवेया विर्यादवेया विर्यादवेया विर्यादवेया विर्यादवेया						
	4	न्'र्यन्'श्चे'यम्बन्'र्म्'रूप्त्र'स्'र्वं प्रंत्'न्त्व						
		मी वप विषय विषय विषय विषय						
	( र्द्-अंदे-भ्रेव-दर्वायामी:क्रियायमंत्री:क्रियावमंत्री-द्रम्यायमंत्री-द्रम्यमंत्री-द्रम्यायमंत्री-द्रम्यायमंत्रीन्त्रमंत्रम्यायमंत्रम्यायम्							
		ग्रे इस कुय के देन वित्र त्या निया निया निया निया निया निया निया नि						
	20	न्पर <sup>, त्य</sup> र्वाद्यात्र व्यवस्य प्रवाय प्रवाय क्षिय विषय क्षिय क्						

## ब्रे'र्कव'ग्रुब'य। ब्रुेर'यहदानेष'च। बद'र्वेय। ५

- वर्षट.क्रि.वच्ना.ला:पंचीला.लाशांचेबा.ता.सुट.ट्रावा व्यट.क्र्याच्या.ची.स्वय

Which round of discussion of His Holiness' Special Envoy presented the "Memorandum for Genuine Autonomy for the Tibetan People" and "Note to the Memorandum" to the Chinese leadership?

## इं कर्व पति प पर हिंग अट हिंग १०

2	य:र्नेब्रः	ति क्वेंनः हे व्यंत् ग्री में 'र्नेव 'त्र'	ट्रे.ट्या.ज.ट	与工工美人,可以			लट ह्या द	
3	विवायान्त्रन्त्रः विवाद्यात् वायत् वायत् वायव्यान्त्रः स्रोत्यान्त्रेयाः स्रायान्त्रः स्रायाः विवायः वायव्यान्							
3	न्ह्यान्त्याचावव म्री में ह्व न्ह न्ये न्यू निष्य ने म्री मार्थिय							
•	यानुबायावायः नियः पहें न् इवाया ग्री सन् निर इवा निर्णे वार धीव स्वा वहें वा							
	η	व्रदःयःर्थेष	P	व्यावकार्याः सकाः देवाः य	ব	देःस्टःसेद्		
	5	गु:रेप्	ত্য	<b>২</b> 'ঝ'থ্ৰব	æΙ	विट.चीय.चीशेट.।		
	E	य्यतु:श्रुव।	9	র্ব-্য	সূ	ग्रे-म्र-व		
					· ·			

इं.क्ष्यं.कं.ता त्व.वर्द्धिता अट.स्या त

वानुवावाबावा क्षेत्र चिवा क्षेत्र चिवा क्षेत्र चित्र च

ष्यट'र्स्च्या ५

Translate this passage into Tibetan.

(5 marks)

One of the aspirations I have cherished since childhood is the reform of Tibet's political and social structure, and in the few years when I held effective power in Tibet, I managed to make some fundamental changes. Although I was unable to take this further in Tibet, I have made every effort to do so since we came into exile. Today, within the framework of the Charter for Tibetans in Exile, the Kalon Tripa, the political leadership, and the people's representatives are directly elected by the people. We have been able to implement democracy in exile that is in keeping with the standards of an open society.

As early as the 1960s, I have repeatedly stressed that Tibetans need a leader, elected freely by the Tibetan people, to whom I can devolve power. Now, we have clearly reached the time to put this into effect. During the forthcoming eleventh session of the fourteenth Tibetan Parliament in Exile, which begins on 14th March, I will formally propose that the necessary amendments be made to the Charter for Tibetans in Exile, reflecting my decision to devolve my formal authority to the elected leader.